>

Title: Damage caused to life and property due to devastating floods in various parts of the country including Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): अधिÂठाता महोदय, मैं आज देश के समक्ष एक अत्यंत ज्वलंत महत्वपूर्ण मुद्दे की तरफ इस सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृÂट करना चाहता हूं। कदाचित इस विÂाय पर ठीक से चर्चा भी नहीं हो पायी जबकि देश के विभिन्न राज्य चाहे उत्तर प्रदेश हो, बिहार हो, असम हो, पंजाब हो, जम्मू-कश्मीर हो, इनका काफी बड़ा हिस्सा इस समय बाढ़ से प्रभावित है। इस समय देश के समक्ष एक बहुत बड़ी चुनौती बाढ़ है। उत्तर प्रदेश के ही राहत आयुक्त अनुसार लगभग तीस जनपद बाढ़ से प्रभावित हैं। लगभग बीस लाख जनसंख्या बाढ़ से प्रभावित है और 2,746 गांव मेरून्ड हैं, करीब 90 तहसील प्रभावित हैं, अभी तक 125 व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है, चाहे वह आकाशीय बिजली के कारण या घर गिरने के कारण हो। मैं कल रात को 12 बजे अपने क्षेत्र सिद्धार्थनगर में था। मैं इसीलिए सुबह नहीं आ पाया कि एक महत्वपूर्ण नदी बूढ़ी राप्ती, घाघरा, आज सिद्धार्थनगर में बूढ़ी राप्ती ककरही में खतरे के निशान से ऊपर है। खतरे के निशान के ऊपर होने के कारण, एक गांव जिसका नाम रीवानानकार है और एक गांव संगलदीप, उमरिया ग्रामसभा में है, उसमें श्री रामायण यादव, राम मिलन साहनी, अंगद यादव, भगवानदास साहनी, चौथी साहनी, शंकर यादव, कमलेश यादव, सुदामा यादव, रामशंकर यादव, स्वामीनाथ यादव के घर हैं। रीवानानकार में राम ललित हरिजन, रामसबद हरिजन, मोहब्बत अली उर्फ सत्तन हरिजन, झिनकू, प्रकाश, रामनिवास पाल के घर पूर्णतया नदी में विलीन हो गए। मैंने अपनी आंखों से खुले आकाश में मंजर देखा है। कल पन्नियां दी गयीं, हम लोगों ने, तो शायद रात में अपने बच्चों को लेकर जिस तरीके की जिंदगी वे जी रहे हैं।

सभापति महोदय : आप केंद्र सरकार से क्या चाहते हैं?

श्री जगदम्बिका पाल : महोदय, मैं यह चाहता हूं कि इस बाढ़ के लिए जो घर गांव में थे और नदी में विलीन हो गए हैं, उनके पुनर्वास करने के लिए राज्य सरकार कदम उठाए, उन्हें इंदिरा आवास दिया जाए। ...(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): भारत सरकार से क्या चाहते हैं?

श्री जगदम्बिका पाल : भारत सरकार तो कह सकती है, जिम्मेदारी तो आपकी है। फ्लड जो है, वह स्टेट का सब्जेक्ट है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप केंद्र सरकार से अनुरोध करें।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं केंद्र सरकार से अनुरोध कर रहा हूं कि जो राज्य सरकार सोई पड़ी हुयी है, इनका मिनिस्टर कहीं फ्लड के डिस्ट्रिक्ट में ...(व्यवधान) सोई तो पड़ी है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप शून्य काल में बोल रहे हैं, केंद्र सरकार से अनुरोध करें।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं केवल यह चाहता हूं कि जो घर गिर गए हैं, दारा सिंह चौहान जी कह दें कि इनकी कांस्टीच्युंसी में घर गिराई मिल रहा हो, जिनके घर गिर गए, उनको अगर पैसा मिला हो, इंदिरा आवास मिला हो, आज यह विÂाय राजनीतिक विÂाय नहीं है। ...(व्यवधान) चौहान साहब आपका नंबर बन गया, आप खड़े हो गए, आपने टोकाटाकी कर दी, लेकिन यह विÂाय राजनीति का नहीं है। इस विÂाय में पूर्णतया संवेदनशीलता है। ...(व्यवधान) मान्यवर, आप खुद इसके बारे में जानते होंगे। ...(व्यवधान) मैं एक मिनट लूंगा आज घाघरा में जो अलगिन ब्रिज है, वहां भी वह खतरे के निशान से ऊपर है। बलिया के पूर्वी...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप संक्षिप्त करिए।

श्री जगदम्बिका पाल : वहां रामगंगा भी यही स्थिति है।

सभापति महोदय : आप अनुरोध करिए।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं जल्दी ही अपनी बात खत्म कर रहा हूं। मैं केवल तथ्य सामने ला रहा हूं कि उत्तर प्रदेश की कई नदियों में, नौ जिले तो अति गंभीर स्थिति में हैं। बाढ़ के बाद तमाम जनपदों में संक्रामक बीमारियां फैल रही हैं। इसकी वजह से भी बच्चे मर रहे हैं, उनको कालाजार हो रहा है या जिस तरीके से यह सब चीजें हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप संक्षिप्त करिए, अनुरोध करिए।

श्री जगदम्बिका पाल : मैं समझता हूं कि तत्काल फौरी स्तर पर कार्य करने की जरूरत है। आदरणीय चौहान जी से मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि अपने राहत आयुक्त से कहें कि टीमें भेजें, दवायें भेजें। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : इनका रिकार्ड में नहीं जाएगा।

*(Interruptions) â€¦ **

सभापति महोदय : कोवासे जी, आप बोलें।